

**लभ्य** वि. (तत्.) पाए जाने योग्य, जो मिल सके या प्राप्त हो सके।

**लमकना** अ.क्रि. (देश.) उत्सुक होना, उत्कंठित होना, तेजी से चलना।

**लमचा** पुं. (देश.) एक प्रकार की बरसाती घास।

**लमछड़** वि. (देश.) जो लंबा और दुबला हो पुं. भाला, बछी।

**लमटंगा** वि. (देश.) जिसकी टाँगें लंबी हो, लंबा व्यक्ति।

**लमतडंग** वि. (देश.) जो व्यक्ति ताड़ के पेड़ जैसा लंबा हो, लंबे चौड़े शरीर वाला मजबूत व्यक्ति।

**लमधी** पुं. (देश.) समधी का पिता।

**लमाना** स.क्रि. (तद्.) लंबित करना, दूर तक ले जाना बढ़ाना।

**लय** वि. (तत्.) 1. समापन, अंत, विलीन होना, एकाग्रता 2. संगी. गानविद्याके तीन प्रकार के द्रुत, मध्य और बिलंबित नामक लय 3. संगीत का ताल, विश्राम स्थल 4. मानसिक आलस्य, अकर्मण्यता।

**लयक** वि. (तत्.) 1. लय से संबंध रखने वाला 2. संगीत की लय के अनुरूप अथवा उसके ढंग पर होने वाला जैसे- नाड़ी का लयक स्पंदन। rhythmic

**लयन** पुं. (तत्.) 1. लय होने की अवस्था या भाव 2. विश्राम 3. शांति, शरण, आश्रय लेना।

**लयपुत्री** स्त्री. (तत्.) नर्तकी।

**लयबद्ध** वि. (तत्.) लययुक्त, लय से बँधा हुआ।

**लयलीन** वि. (तत्.) 1. किसी के ध्यान में डूबा हुआ हो, ध्यानमग्न 2. प्रेमभाव में डूबा हुआ, अनुरक्त।

**लयरंभ/लयालंभ** पुं. (तत्.) नर्तक, अभिनेता।

**लयार्क** पुं. (तत्.) प्रलयकाल का सूर्य।

**लयिक** वि. (तत्.) लयक

**लर** स्त्री. (देश.) लड़ी, लंबाई में संलग्न पंक्ति, फूलों, बौरों का छड़ी के ढंग का गुच्छा।

**लरकई** स्त्री. (देश.) लडकपन, नादानी।

**लरकना** अ.क्रि. (देश.) 1. लटकना 2. झुकना 3. तिरछा होना 4. हिलना-डुलना 5. धीरे से दुलक जाना।

**लरका** पुं. (देश.) लड़का।

**लरकाना** स.क्रि. (हि. लटकाना) 1. लटकाना 2. झुकाना 3. तिरछा करना 4. हटाना 5. थोड़ा सा इधर उधर स्थित करना।

**लरकिनी** स्त्री. (देश.) लडकी, बालिका या पुत्री उदा. वधू लरकिनी पर घर आई, राखेहु इन्हहिं पलक की नाई- रामचरित मानस।

**लरखरनि** स्त्री. (देश.) 1. डगमागाहट 2. स्थिति 3. लड़खड़ाहट 4. गतिच्युति।

**लरखराना** अ.क्रि. (देश.) लड़खड़ाना, डगमगाना।

**लरज** पुं. (देश.) 1. कंपन 2. इधर-उधर थोड़ी सी गति।

**लरजना** अ.क्रि. (फा.) 1. कांपना 2. हिलना-डुलना 3. दहल जाना 4. भयभीत होना।

**लरजाँ** वि. (फा.) 1. काँपने वाला 2. कंपित पुं. 1. थरथराहट, कँपकँपी 2. भूकंप 3. जूड़ी बुखार।

**लरजिश** स्त्री. (फा.) 1. कँपकँपी, थरथराहट।

**लरझर** वि. (देश.) 1. बरसता हुआ 2. बहुत अधिक मात्रा में उपलब्ध, प्रचुर।

**लरना** अ.क्रि. (देश.) 1. दो वस्तुओं या व्यक्तियों का आपस में टक्कर खाना, भिड़ जाना 2. एक दूसरे पर प्रहार करना, झगड़ा करना 3. वाक्युद्ध करना।

**लरनि** स्त्री. (देश.) 1. लड़ाई 2. लड़ाई का तरीका।

**लराई** स्त्री. (देश.) लड़ाई।

**लराका** वि. (देश.) 1. लड़ाका 2. योद्धा 3. झगड़ालू।